प्रकाशनार्थ

17 जून, 2022 गोरखपुर।

श्री गोरखनाथ मन्दिर में आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस पर आयोजित साप्तामहिक योग शिविर एवं शैक्षिक कार्यशाला के तृतीय दिवस के सैद्धान्तिक सत्र में 'योग का वैज्ञानिक विवेचन' विषय पर आयोजित संगोष्ठी में मुख्य वक्ता के रूप में महाविद्यालय उनवल, भिटौली बाजार, गोरखपुर के रक्षा अध्ययन विभाक के पूर्व आचार्य डॉ॰ बलवान सिंह ने कहा कि योग विद्या पूर्णतः वैज्ञानिक विद्या है। इस विद्या में स्थूल से सूक्ष्म तक सभी का विस्तृत विवेचन है। चित्त की वृत्तियों का निरोध हीं योग है। यह चित्त हमारे सम्पूर्ण जीवन के क्षण-क्षण के संस्कारों का चित्र लेकर रखता है। यह चित्त जिस विषय से जुड़ता है उसका ज्ञान करा देता है तथा उसी विषय का संस्कार भी उसमें संगृहीत होता रहता है। यह चित्त हमारे संस्कारों का पुञ्ज होता है। डॉ॰ सिंह ने कहा कि मनुष्य अपने संस्कारों से प्रेरित होकर हीं विविध कर्म करता रहता है। यह चित्त हीं मनुष्य के जीवन में सुख दुःख का कारण भी बनता है इसलिए इसका नियंत्रण या निरोध आवश्यक है। निरुद्ध चित्त ही जीवात्मा के सुख का कारण बनता है। उन्होंने कहा कि अष्टांग योग पूर्णतः एक वैज्ञानिक प्रक्रिया है और इनका क्रम भी वैज्ञानिक विधि पर आधारित है। हम अपने जीवन में चित्त की वृत्तियों के अनुसार विभिन्न विषयों में आसक्त होते हैं तथा उन वृत्तियों को यम-नियम आदि अंगों के क्रम से शोधन करके प्रत्याहार, धारणा, ध्यान के द्वारा नियंत्रित करते हुए परमात्म तत्व में स्थिर करते हैं। उसी अवस्था में जीवात्मा को स्वरूप की प्राप्ति या ज्ञान होता है यही योग का विज्ञान

संगोष्ठी की अध्यक्षता कर रहे संस्कृत विद्यापीठ के व्याकरण विभागाध्यक्ष डॉ॰ अभिषेक पांडेय ने कहा कि हमारे सभी प्राचीन शास्त्र पूर्णतः वैज्ञानिक हैं और योग

शास्त्र भी पूर्णतः वैज्ञानिक होने के साथ-साथ सामान्य जीवन के लिए उपयोगी व महत्वपूर्ण शास्त्र है।

संगोष्ठी का संचालन व विषय प्रवर्तन श्री गोरक्षनाथ विद्यापीठ के दर्शन विभाग के आचार्य डॉ॰ प्रांगेश कुमार मिश्र ने किया तथा आभार ज्ञापन श्री गुरु गोरखनाथ योग संस्थान के योगाचार्य योगी सोमनाथ ने किया।

कार्यक्रम का प्रारंभ महापुरुष द्वय के चित्र पर पुष्पांजलि व नित्यानंद तिवारी के वैदिक मंगलाचरण से हुआ।

संगोष्ठी में प्रमुख रूप से श्री गोरखनाथ मन्दिर के प्रधान पुजारी योगी कमलनाथ, संस्कृत विद्यापीठ के प्राचार्य डॉ॰ अरविन्द चतुर्वेदी, आचार्य डॉ॰ रोहित कुमार मिश्र, डॉ॰ दिग्विजय शुक्ल, पुरुषोत्तम चौबे, डॉ॰ रंगनाथ त्रिपाठी, फूलचंद गुप्त, शुभम मिश्र, शशांक पांडेय सहित छात्रगण व योग प्रशिक्षु जन उपस्थित थे।